यहूदा की पत्री – भाग 1

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

परमेश्वर के वचन के अध्ययन में आपका स्वागत है! आज हम यहूदा की पत्री को देखेंगे — एक छोटा लेकिन आज की कलीसिया के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनियों से भरा हुआ पत्र। इस पत्र को लिखने वाला यहूदा न तो प्रभु यीशु का शिष्य यहूदा था, और न ही वह जिसने उसे धोखा दिया, बल्कि यह वही यहूदा था जो यीशु का सगा भाई था (मरकुस 6:3)। पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन में, यहूदा ने यह पत्र सिर्फ बुलाए गए लोगों के लिए, यानी मसीही विश्वासियों के लिए लिखा — यह सारी दुनिया के लिए नहीं था।

आज हम पद 1 से 6 तक पढ़ेंगे, और यदि प्रभु ने अनुमति दी, तो अगले भागों में शेष वचनों को देखेंगे।

बाइबल कहती है:

यहूदा 1:1-6
“यीशु मसीह का दास और याकूब का भाई यहूदा, उन बुलाए हुए लोगों को
जो पिता परमेश्वर में प्रिय हैं, और यीशु मसीह के लिये सुरक्षित
रखे गए हैं, नमस्कार लिखता है।

2 तुम पर दया, शान्ति और प्रेम बहुतायत से होते रहें।

3 हे प्रियो, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने के लिये

यहूदा की पत्री – भाग 1

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

बहुत प्रयास कर रहा था, जो हम सबका साझा है, तो मुझे यह आवश्यक जान पड़ा कि मैं तुम्हें लिखूं और समझाऊं कि तुम उस विश्वास के लिए युद्ध करो, जो एक ही बार पवित्र लोगों को सौंपा गया था।

4 क्योंकि कुछ लोग चुपके से तुम्हारे बीच में घुस आए हैं, जिनके विषय में पहले से यह दोष लिखा हुआ है: वे अधर्मी हैं, जो हमारे परमेश्वर की अनुग्रह को दुराचार में बदलते हैं, और हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इनकार करते हैं।

5 मैं तुम्हें स्मरण कराना चाहता हूँ — यद्यपि तुम यह सब पहले से जानते हो — कि प्रभु ने जब एक बार लोगों को मिस्र देश से छुड़ा
लिया, तो बाद में उन विश्वास न रखने वालों को नष्ट कर दिया।

6 और जिन स्वर्गदूतों ने अपनी प्रधानता को नहीं संभाला, परंतु
अपने उचित स्थान को छोड़ दिया, उन्हें उसने उस महान दिन के न्याय
तक के लिए अनंत बन्धनों में अंधकार में रखा है।”

जैसा कि पहले कहा गया, यह पत्र केवल मसीही विश्वासियों के लिए लिखा गया है, उनके लिए जो बुलाए गए हैं — आपके और मेरे लिए। अतः यह चेतावनियाँ हम पर लागू होती हैं, न कि उन लोगों पर जो मसीह में नहीं हैं। यही कारण है कि यहूदा लिखता है, “मैं तुम्हें स्मरण कराना चाहता हूँ — यद्यपि तुम यह सब पहले से जानते हो…” इसका अर्थ यह है कि हो सकता है आपने यह बातें पहले से सुनी हों, लेकिन उन्हें फिर से याद दिलाना आवश्यक है।

यहूदा की पत्री – भाग 1

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

पद 3 में वह कहता है:

“हे प्रियो… मैं तुम्हें लिखूं और समझाऊं कि तुम उस विश्वास के
लिए युद्ध करो, जो एक ही बार पवित्र लोगों को सौंपा गया था।”

ध्यान दें, यह विश्वास केवल एक बार सौंपा गया था! इसका अर्थ यह है कि यदि इसे खो दिया गया, तो दूसरी बार नहीं मिलेगा। इसलिए हमें इस विश्वास के लिए पूरी लगन से संघर्ष करना है और इसे थामे रहना है।

तो विश्वास के लिए युद्ध करना क्या है? इसका अर्थ है — जिस सच्चाई को आपने ग्रहण किया है, उसमें दृढ़ रहना, और सावधान रहना कि आप गिर न जाएँ। यही कारण है कि यहूदा इस्राएलियों की मिसाल देता है — जो मिस्र से छुड़ाए गए थे, ठीक वैसे ही जैसे हम मसीह में छुड़ाए गए हैं।

यहूदा की पत्री – भाग 1

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

1 कुरिन्थियों 10:1-5
“हे भाइयो, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अनजान रहो, कि हमारे सारे पूर्वज बादल के नीचे थे, और सब समुद्र से होकर गए।
2 और सब ने मूसा के अनुयायी होकर बादल और समुद्र में बपतिस्मा लिया।
3 और सब ने एक ही आत्मिक भोजन खाया।
4 और सब ने एक ही आत्मिक पेय पिया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान
में से पीते थे जो उनके साथ चलती थी; और वह चट्टान मसीह था।
5 परन्तु उनमें से बहुतेरों से परमेश्वर प्रसन्न न हुआ, अत: वे
जंगल में नष्ट हो गए।”

इस्राएली सब के सब छुड़ाए गए, सब ने बपतिस्मा लिया, सब ने परमेश्वर की आशीषों में भाग लिया, लेकिन फिर भी बहुतों को परमेश्वर ने नष्ट कर दिया। क्यों? क्योंकि उन्होंने विश्वास नहीं रखा। आज भी कई मसीही बपतिस्मा लेते हैं, आत्मिक अनुभव करते हैं, लेकिन यदि वे विश्वास में स्थिर नहीं रहते, तो वे मंज़िल तक नहीं पहुँचते।

इस्राएलियों ने क्या गलतियाँ कीं?

यहूदा की पत्री – भाग 1

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

1. मूर्तिपूजा: उन्होंने सोने का बछड़ा बनाकर उसकी आराधना की। आज भी बहुत से मसीही छवियों, मूर्तियों और पुराने “संतों” की पूजा करते हैं — यह परमेश्वर की घृणित बात है।

2. व्यभिचार: इस्राएली गैरजातीय स्त्रियों के साथ संभोग में पड़े। आज मसीही यदि विवाह से बाहर यौन पाप करते हैं, या उत्तेजक वस्त्र पहनते हैं जिससे दूसरों को पाप में गिराया जाए, तो वे भी परमेश्वर की कृपा से दूर हो जाते हैं।

3. कुड़कुड़ाहट (शिकायत): जब कठिनाई आई, तो इस्राएली परमेश्वर से शिकायत करने लगे। आज भी मसीही जब थोड़ी-सी तकलीफ़ आती है तो कहने लगते हैं “परमेश्वर कहां है?” — यह असंतोष परमेश्वर को अप्रसन्न करता है।

यहूदा की पत्री – भाग 1

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

4. बुरे कामों की लालसा और प्रभु की परीक्षा लेना: जब प्रभु ने
मन्ना दिया, तो वे मांस की माँग करने लगे। आज बहुत से मसीही परमेश्वर की योजना में संतुष्ट नहीं होते, बल्कि दुनिया की तरह
जीवन जीना चाहते हैं — रविवार को चर्च और सोमवार को दुनिया के
रंग। यह दोहरा जीवन विनाश की ओर ले जाता है।

बाइबल कहती है:

1 कुरिन्थियों 10:11-12
“ये सब बातें उन पर आदर्श रूप में घटित हुईं, और उन्हें हमारे लिये लिखा गया है जो युगों के अंतकाल में हैं।
इसलिये जो यह समझता है कि वह स्थिर है, वह सावधान रहे कि वह न गिर जाए।”

यह सब कुछ हमारे लिए चेतावनी है। हम सब जब मसीह में आए तो “मिस्र से निकले”, लेकिन यात्रा अब भी जारी है। विश्वास की लड़ाई अभी शुरू हुई है — और जो अंत तक धीरज धरेगा वही उद्धार पाएगा (मत्ती 24:13)।

यहूदा आगे कहता है कि कुछ लोग गुप्त रूप से कलीसिया में आ गए हैं:

यहूदा की पत्री – भाग 1

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

यहूदा 1:4-6
“क्योंकि कुछ लोग चुपके से तुम्हारे बीच में घुस आए हैं, जिनके विषय में पहले से यह दोष लिखा हुआ है: वे अधर्मी हैं, जो हमारे परमेश्वर की अनुग्रह को दुराचार में बदलते हैं, और हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इनकार करते हैं।

मैं तुम्हें स्मरण कराना चाहता हूँ — यद्यपि तुम यह सब पहले से
जानते हो — कि प्रभु ने जब एक बार लोगों को मिस्र देश से छुड़ा
लिया, तो बाद में उन विश्वास न रखने वालों को नष्ट कर दिया।

और जिन स्वर्गदूतों ने अपनी प्रधानता को नहीं संभाला, परंतु अपने उचित स्थान को छोड़ दिया, उन्हें उसने उस महान दिन के न्याय तक के
लिए अनंत बन्धनों में अंधकार में रखा है।”

इन छुपे हुए लोगों की तुलना यहूदा करता है कोरह, दाथान जैसे लोगों से — जो बाहर से परमेश्वर के लोगों में थे, लेकिन अंदर से विरोधी। उनका स्थान तैयार है उसी आग में जहाँ शैतान और उसके दूत होंगे।

प्यारे भाई और बहन:

क्या आप अभी भी अपने विश्वास के साथ खेल रहे हैं? क्या आप उसे हल्के में ले रहे हैं? ध्यान रखिए — यह विश्वास आपको केवल एक बार सौंपा गया

यहूदा की पत्री – भाग 1

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

है। यदि आप इसे खो देते हैं, तो कोई दूसरी बार नहीं मिलेगी।

यही कारण है कि मसीह ने कहा:

प्रकाशितवाक्य 3:16
“इसलिये कि तू गुनगुना है, और न तो गरम है और न ठंडा, मैं तुझे अपने मुंह से उगल दूँगा।”

अब समय है पश्चाताप करने का, अपने बुलावे और चुने जाने को दृढ़ करने का (2 पतरस 1:10)। हम अंत के दिनों में जी रहे हैं, और प्रभु शीघ्र आने वाला है। क्या आप उसके साथ जाने को तैयार हैं?

परमेश्वर आपको आशीष दे।

कृपया इस सन्देश को दूसरों के साथ साझा करें।

Share on:
WhatsApp

यहूदा की पत्री – भाग 1

Print this post

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9